श्रमण १९९२ १० (फोल्डर नं. ०२५०१२)

सम्पादक - डॉ. अशोक कुमार सिंह

सह सम्पादक – डॉ. शिवप्रसाद

मुख्य टाइटल
अनुक्रमणिका
जैन धर्म और आधुनिक विज्ञान – प्रो. सागरमल जैन
प्रागैतिहासिक भारत में सामाजिक मूल्य और परम्पराएँ – डॉ. जगदीशचन्द्र जैन
जैन एवं बौद्ध दर्शन में प्रमाण विवेचन – डॉ. धर्मचन्द्र जैन
क्षेत्रज्ञ शब्द का स्वीकार्य प्राचीनतम अर्धमागधी रूप – डॉ. के. आर. चन्द्र
अष्टपाहुड की प्राचीन टीकाएँ – डॉ. महेन्द्रकुमार जैन
पूर्णिमागच्छ – प्रधान शाखा अपरनाम ढंढेरिया शाखा संक्षिप्त इतिहास – डॉ. शिवप्रसाद
जैन दार्शनिक साहित्य में ईश्वरवाद की समालोचना – श्रीमती मंजुला भट्टाचार्या
पुस्तक समीक्षा
पार्श्वनाथ शोधपीठ परिसर
शोक समाचार

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org